आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 331 | उज्जैन, बुधवार 22 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

गोवर्धन और गौवंश की पूजा पर्यावरण और पशुधन संवर्धन का देती है संदेश-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राज्य सरकार गौसेवा और गौवंश संरक्षण के लिए हरसंभव सहयोग देने को तत्पर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपोत्सव, गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव की हार्दिक मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि आज पूरे प्रदेश में गोवर्धन पूजा हर्षोल्लास से की जा रही है। हर घर, हर गौ-शाला, हर गांव, वृंदावन है और हम सब गोपाल बन गए हैं। हमारी हर परम्परा और उत्सव में प्रकृति के प्रति आदर और समाज के प्रति उत्तदायित्व समाहित है। गोवर्धन पूजा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हमारी संस्कृति ने हमें छोटी से छोटी चीज प्रदान करने वालों के प्रति भी आभार करना सिखाया है।

आज हम प्रकृति के उसी दाता स्वरूप को प्रणाम कर रहे हैं। आज के दिन गोवर्धन और गौवंश की पूजा कर हम संसार को प्रकृति, पर्यावरण और पशुधन संवर्धन का संदेश देते हैं। यह सनातन संस्कृति की देन है। यह वास्तव में प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का उत्सव है। यह हमें स्मरण कराता है कि धरती पर जो भी है, उसके साथ सामंजस्य ही जीवन है। गोवर्धन पूजा जियो और जीने दो के विचार और उपलब्ध खाद्य सामग्री एवं संसाधनों को समाज के साथ मिल-बांटकर साझा करने का प्रतीक है। हमारी संस्कृति और परम्पराओं को बचाए रखने की हम सबकी जिम्मेदारी है। राज्य सरकार द्वारा गोवर्धन पूजा का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित गोवर्धन पूजा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

विश्व, प्राकृतिक खेती और जैविक खेती की महत्ता को पुन- कर रहा है स्वीकार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौमाता सनातन संस्कृति की आत्मा है।

रेल यात्रा के दौरान बीमार हुआ यात्री, स्टाफ के इस कदम से तुरंत पहुंची मदद; लोग कर रहे तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। कन्याकुमारी - डिब्रूगढ़ विवेक एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री को सफर के बीच में स्वास्थ्य परेशानियों का सामना करना पड़ा। जिसके तुरंत बाद उसे पलक्कड़ जंक्शन पर मेडिकल सहायता दी गई। जानकारी के अनुसार, 24 साल के यात्री 22503 कन्याकुमारी डिब्रूगढ़ विवेक एक्सप्रेस यात्रा कर रहा था। इसी यात्रा के दौरान उसका जबड़ा खिसक गया था। रेलवे स्टाफ की त्वरित प्रतिक्रिया के कारण यात्री को समय रहने चिकित्सकीय सहायता प्रदान की गई।

बताया जा रहा है कि पलक्कड़ के रेलवे हॉस्पिटल में डिविजनल मेडिकल ऑफिसर डॉ. जितिन पी एस स्टेशन पहुंचे और यात्री को देखा। यात्री तबीयत देखने के बाद उन्होंने उसे आवश्यक परामर्श दिया और मौके पर ही डिस्लोकेशन को ठीक किया, जिससे यात्री को काफी राहत हुई।

दक्षिण रेलवे के एक्स अकाउंट से इसका एक वीडियो भी शेयर किया गया है। इस वीडियो के साथ पोस्ट में लिखा गया कि लक्कड़ जंक्शन पर तुरंत मेडिकल मदद मिली।

बेंगलुरु इंफ्रास्ट्रक्चर पर तनातनी के बीच किरण मजूमदार ने डीके शिवकुमार से की मुलाकात, ऐसे हुआ स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बायोकॉन की फाउंडर किरण मजूमदार शॉ ने आज सुबह बेंगलुरु में कर्नाटक के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से उनके घर पर मुलाकात की। बताया गया कि किरण मजूमदार ने दोनों नेताओं को अपने भतीजे की शादी का न्योता दिया है।

इस मुलाकात की चर्चा इस वजह से और हो रही है क्योंकि बायोकॉन की फाउंडर ने बेंगलुरु इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर सवाल उठाए थे और कांग्रेस के मंत्रियों के बीच तीखी बहस देखने को मिली थी।

डीके शिवकुमार ने दी मुलाकात की जानकारी- हालांकि किरण मजूमदार ने मीडिया से बातचीत नहीं की, लेकिन डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि उन्होंने बेंगलुरु की ग्रोथ, इनोवेशन और कर्नाटक की विकास गाथा के आगे के रास्ते पर दिलचस्प चर्चा की।

डीके शिवकुमार ने की थी शॉ की आलोचना- इससे पहले, शिवकुमार ने शॉ की आलोचना की, जिसमें सड़कों की हालत भी शामिल है।

सख्त कार्रवाई की है जरूरत, अमिताभ कांत ने SC के फैसले पर उठाए सवाल; दीवाली के बाद दिल्ली की हवा हुई जहरीली

नई दिल्ली (एजेंसी)। G20 शिखर सम्मेलन (2023) के भारत शेरपा और नीति आयोग के पूर्व CEO अमिताभ कांत ने कहा है कि दिल्ली की हवा बेहद खराब स्थिति में है और अब केवल कठोर और निरंतर कार्रवाई ही राजधानी को स्वास्थ्य व पर्यावरणीय आपदा से बचा सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पटाखे फोड़ने के अधिकार को जीने और सांस लेने के अधिकार से ऊपर रखा है। यह बयान तब आया जब दिल्ली ने दिवाली की रात के बाद जहरीली धुंध की मोटी परत में लिपटी सुबह देखी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स दोपहर 1 बजे 357 दर्ज हुआ, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस महीने की शुरुआत में ग्रीम पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। कोर्ट ने कहा था कि यह फैसला संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के तहत दिया गया है ताकि त्योहार की भावना भी बनी रहे और पर्यावरण को भी कम नुकसान पहुंचे। हालांकि, कोर्ट ने पटाखे फोड़ने का समय केवल सुबह 6-7 बजे और रात रात 8-10 बजे तय किया था। लेकिन दिल्ली-हृष्टक्र के कई इलाकों में आधी रात तक पटाखे फूटते रहे।

अमिताभ कांत ने दिए सुझाव- अमिताभ कांत ने कहा, दिल्ली के 38 में से 36 मॉनिटरिंग स्टेशन रेड जोन में हैं, कई जगहों पर AQI 400 के ऊपर है। अगर लॉस एंजेलिस, बीजिंग और लंदन प्रदूषण पर काबू पा सकते हैं तो दिल्ली क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि एकीकृत एक्शन प्लान जरूरी है जिसमें फसल जलाने, थर्मल प्लांट्स और ईंट भट्ठों से प्रदूषण पर सख्त नियंत्रण, सभी वाहनों का 2030 तक इलेक्ट्रिक में रूपांतरण, निर्माण कार्यों पर सख्त निगरानी और शहर को हरित, पैदल और सार्वजनिक परिवहन केंद्रित बनाना शामिल हो।

मंदिर के बाहर नशे में धुत दो पुलिसकर्मियों को बेरहमी से पीटा, 5 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के अलाप्पुझा में 5 लोगों पर पुलिसकर्मियों को परेशान करने और मारपीट करने का आरोप है। पांचों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। इस घटना में दोनों पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें भी आई हैं।

दरअसल दीवाली पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए केरल के एक मंदिर में 2 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। इस बीच पांचों आरोपियों ने मिलकर पुलिसकर्मियों पर ही हाथ छोड़ दिया।

मंदिर में जाने से रोकने पर हुआ बवाल- इस घटना की जानकारी देते हुए कुठियाथोड़े पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि दीवाली के मौके पर 2 पुलिसकर्मियों को एक मंदिर में तैनात किया गया था। रात को लगभग 10 बजे कुछ लोग नशे की हालत में मंदिर में जाने का प्रयास कर रहे थे। इससे मंदिर की शांति व्यवस्था भंग हो सकती थी।

मंदिर के बाहर मौजूद दोनों पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन वो नहीं मानें। वहीं, जबरदस्ती करने पर उन्होंने पुलिसकर्मियों को ही पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान दोनों पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालांकि, मामले की सूचना मिलते ही बाकी पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुंची।

पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है और इस पूरे मामले पर कार्रवाई की जा रही है।

60 लाख वाली क्रूक के लिए लोकपाल ने निकाला टेंडर, सात कारों की होनी है डिलीवरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के भ्रष्टाचार निरोधक प्राधिकरण लोकपाल ने अपनी प्रशासनिक और ट्रांसपोर्ट सुविधाओं के लिए कदम उठाया है।

लोकपाल ने सात बीएमडब्ल्यू 330 Li (लॉन्ग व्हील बेस) लग्जरी कार खरीदने के लिए 16 अक्टूबर को एक सार्वजनिक टेंडर जारी किया है। इन कारों की अनुमानित कीमत 60 लाख रुपये प्रति कार से अधिक है। इसकी कुल लागत 5 करोड़ रुपये से ज्यादा होने की संभावना है।

देशवासियों के लिए PM मोदी का पत्र, ऑपरेशन सिंदूर से लेकर माओवादी तक...हर बात का किया जिक्र; लोगों से की ये खास अपील

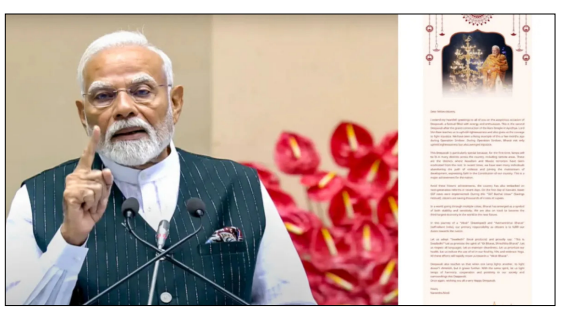

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशवासियों के लिए क्रूमोदी का पत्र, ऑपरेशन सिंदूर से लेकर माओवादी तक...हर बात का किया जिक्र; लोगों से की ये खास अपील

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को अन्याय के खिलाफ बदला करार दिया है। दिवाली के अवसर पर आम जनता को लिखे शुभकामना पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को अन्याय से लड़ने की भगवान श्रीराम की सीख का जीवंत उदाहरण बताया।

आम जनता से स्वदेशी अपनाने और खाने में तेल की मात्रा 10 फीसद कम करने के साथ ही सामाजिक सद्भाव, सहयोग और सकारात्मकता से दिवाली मनाने की अपील की। उन्होंने एक दीप से दूसरे दीप जलाने से प्रकाश और बढ़ने को दिवाली की सीख बताते हुए इसे अपनाने की सलाह दी।

राम मंदिर का किया जिक्र- भगवान श्रीराम के वनवास से अयोध्या लौटने के उपलक्ष्य में मनाई जाने वाली दिवाली के अवसर प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में भव्य राममंदिर निर्माण का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण के बाद यह दूसरी दिवाली है। भगवान श्रीराम को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वे हमें मर्यादा का पालन करना भी सिखाते हैं और अन्याय से लड़ने की सीख भी देते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने मर्यादा का पालन भी किया और अन्याय का बदला भी लिया। प्रधानमंत्री के अनुसार माओवादी आतंक के खात्मे के कगार पर पहुंचने से यह दिवाली विशेष हो गई है। उनके अनुसार माओवादी हिंसा से मुक्त दूरदराज के इलाके में घरों में पहली बार दीवाली पर दीप जलेंगे।

मुख्यधारा में शामिल हो रहे माओवादी- उन्होंने बड़ी संख्या में माओवादियों के संविधान के प्रति आस्था जताते हुए हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने को बड़ी उपलब्धि बताया। ध्यान देने की बात है कि पिछले हफ्ते शीर्ष संगठन पोलित ब्यूरो और सेंट्रल कमेटी के सदस्य समेत 500 से अधिक माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया था।

दिवाली के मौके पर प्रधानमंत्री ने देशवासियों को जीएसटी की दरों कटौती समेट अगली पीढ़ी के बड़े सुधारों की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि जीएसटी की दरों में कटौती से देशवासियों के करोड़ों रूपये बच रहे हैं। उनके अनुसार अनेक संकटों से गुजर रही दुनिया में भारत स्थिरता व संवेदनशीलता का प्रतीक बनकर उभरा है और जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है।

अमीरों के लिए अलग नियम क्यों, ईरान में सुप्रीम लीडर के सहयोगी की बेटी ने पहना गाउन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में जहां एक ओर मुस्लिम महिलाओं को हिजाब न पहनने पर तमाम प्रकार की प्रताड़ना का सितम झेलना पड़ता है। वहीं, दूसरी ओर ईरान से ही एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने बवाल मचा दिया है।

दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें देखा जा सकता है कि ईरान के सर्वोच्च नेता आयातुल्ला अली खामेनेई के एक वरिष्ठ सहयोगी अली शमखानी की बेटी स्ट्रैपलेस शादी का जोड़ा पहने हुए नजर आ रही हैं। जिसने इंटरनेट पर एक नई बहस छेड़ दी है।

डेली मेल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये वीडियो इंटरनेट पर 17 अक्तूबर को वायरल हुआ। इस वीडियो में आयातुल्लाह अली खामेनेई के शीर्ष सलाहकार और ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के पूर्व सचिव अली शमखानी नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद ईरानी शासन के आलोचकों ने उनके सख्त हिजाब कानून को लेकर तमाम सवाल खड़े करने लगे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल है वीडियो- इस वीडियो में शमखानी अपनी बेटी फतेमेह को एक होटल में ले जा रहे हैं, जहां वह दुल्हन के लिबास में नजर आ रही हैं। फतेमेह ने इस दौरान नेकलेस गाउन पहन रखा है और वह मेहमानों का अभिवादन करते हुए अंदर आती नजर आ रही हैं।

इस शादी समारोह को महिलाओं के लिए शासन के सख्त ड्रेस कोड के बिल्कुल उलट देखा जा रहा है। वहीं, इसकी काफी आलोचना की जा रही है। आलोचकों का कहना है कि आम लोगों पर हिजाब से जुड़े कानून लागू हो रहे हैं। वहीं, अमीर लोग इसको नजरअंदाज कर रहे हैं।

क्या केवल आम नागरिकों के लिए है नियम- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मसीह अलीनेजाद नाम के एक अकाउंट से इस वीडियो को पोस्ट किया गया। इस वीडियो के साथ पोस्ट में लिखा गया कि इस्लामिक रिपब्लिक के टॉप एनफोर्सर्स में से एक अली शमखानी की बेटी ने स्ट्रैपलेस ड्रेस में शानदार शादी की। इस बीच, ईरान में औरतों को बाल दिखाने पर पीटा जाता है और जवान लोग शादी का खर्च नहीं उठा सकते। इस वीडियो ने लाखों ईरानियों को गुस्सा दिला दिया। क्योंकि वे खुद को छोड़कर बाकी सब पर गोलियों, डंडों और जेलों से इस्लामिक वैल्यू थोपते हैं।

ईरान के सर्वोच्च नेता आयातुल्ला अली खामेनेई के मुख्य सलाहकार अपनी बेटी की शादी एक महल जैसी जगह पर मना रही हैं। वहीं सरकार जिसने एक युवती को थोड़े बाल दिखाने पर मार डाला और जिसने लड़कियों को वैन में घसीटने के लिए 80,000 मोरैलिटी पुलिस हायर किए, खुद एक लग्जरी पार्टी करती है। पोस्ट में आगे कहा गया कि ये दोगलापन नहीं है, यह सिस्टम है। वे मर्यादा का उपदेश देते हैं जबकि उनकी अपनी बेटियां डिजाइनर ड्रेस पहनकर परेड करती हैं।

सियोल प्लाजा के पास बिल्डिंग में आग से हड़कंप, 100 से ज्यादा लोगों को बचाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल की एक इमारत में अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और 100 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस घटना में किसी भी जान माल की हानि की सूचना नहीं है।

यह आग आज सुबह सियोल प्लाजा के पास स्थित सियोल सेंटर बिल्डिंग में लगी थी। 110 के आसपास लोगों को बिल्डिंग से बाहर निकाला गया है। वहीं, आग में झुलसने की वजह से 3 लोगों की हालत गंभीर है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है।

तीसरी मंजिला से फैली आग- स्थानीय मीडिया के अनुसार, आग लगने के बाद बिल्डिंग में 10 कंस्ट्रक्शन वर्कर भी मौजूद थे, जो फौरन छत पर भाग गए और मदद का इंतजार करने लगे। आग बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर लगी थी, जहां निर्माण कार्य चल रहा था। हालांकि, आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चल सका है।

ये पहली बार नहीं है, जब सियोल में आग लगने के कारण कई लोगों की जान बाल-बाल बची है। इससे पहले सितंबर महीने में भी नेशनल डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर सेंटर में आग लग गई थी, जिससे कई सरकारी सेवाएं भी ठप पड़ गई थीं। इस दौरान भी सभी को सुरक्षित बचा लिया गया था। मगर, आग लगने के कारण सरकार का काफी नुकसान हुआ था।

राष्ट्रपति ने मांगी थी माफी- इस आग के कारण मोबाइल आईडेंटिफिकेशन सिस्टम समेत कई सरकारी प्लेटफॉर्म लोगों की पहुंच से बाहर हो गए थे। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्यांग ने इस असुविधा के लिए माफी मांगते हुए सभी सुविधाओं को जल्द से जल्द चालू करने का आश्वासन दिया था। इस घटना को 1 महीने भी नहीं बीता कि सियोल में एक बार फिर आग से हड़कंप मच गया है।

कौन हैं साने ताकाइची, जो बनीं जापान की पहली महिला पीएम; कैसे खुली प्रधानमंत्री बनने की राह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। जापान को इतिहास में पहली बार महिला प्रधानमंत्री मिली है। 21 अक्टूबर को जापान की संसद साने ताकाइची को देश की पहली प्रधानमंत्री बनने के साथ एक इतिहास रच दिया। इस खास मौके को लेकर जापान के लोगों में खुशी है। दरअसल, वर्तमान में जापान में राजनीतिक संकट जारी है। इस बीच साने ताकाइची ने एक नए साथी के साथ गठबंधन समझौता कर लिया है। माना जा रहा है कि नया साथी सत्तारूढ़ गठबंधन को राइट विंग की ओर ले जाने में मदद करेगा।

शिगेरु इशिबा की जगह लेंगी साने ताकाइची- इसी साल जुलाई में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इस हार के तीन महीने बाद तक राजनीतिक शून्यता और खींचतान को समाप्त करते हुए साने ताकाइची पूर्व प्रधान मंत्री शिगेरु इशिबा की जगह लेने जा रही हैं।

बता दें कि शिगेरु इशिबा केवल एक साल तक ही कुर्सी पर बने रहे। इशिबा ने पिछले मंगलवार को ही अपने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद जापान में नए पीएम बनने का रास्ता साफ हो गया।

तुम भी मुझे पसंद नहीं हो..., ऑस्ट्रेलियाई पीएम के सामने किस पर फूटा ट्रंप का गुस्सा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में ऑस्ट्रेलिया के राजदूत और पूर्व प्रधानमंत्री केविन रुड पर तीखा हमला बोला है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ बैठक के दौरान ट्रंप ने रुड की पुरानी आलोचनाओं को लेकर नाराजगी जताई और कहा, मुझे भी तुम पसंद नहीं हो। शायद कभी नहीं होगे।

यह घटना दोनों देशों के बीच पनडुब्बी सौदे की पुष्टि के लिए आयोजित एक दोस्ताना बैठक में हुई। बैठक में एक पत्रकार ने जब ट्रंप से रुड की पुरानी टिप्पणियों के बारे में पूछा, तो ट्रंप ने अल्बनीज की ओर मुड़कर पूछा, वह कहां है? क्या वह अभी भी आपके लिए काम करता है?

तुम भी पसंद नहीं- अल्बनीज ने मुस्कुराते हुए रुड की ओर इशारा किया, जो उनके ठीक सामने बैठे थे। रुड ने जवाब देने की कोशिश की, लेकिन ट्रंप ने उन्हें बीच में ही टोक दिया। ट्रंप ने कहा कि तुम भी मुझे पसंद नहीं हो और कभी पंसद नहीं होगे।

सैनिटाइजर में एथेनॉल के इस्तेमाल पर बैन लगा सकता है यूरोपियन यूनियन, क्या है वजह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना काल के बाद सैनिटाइजर का इस्तेमाल काफी आम हो गया है। कई लोग हाथों को जर्म्स फ्री रखने के लिए सैनिटाइजर यूज करते हैं। मगर, यूरोपियन यूनियन अब इसमें बड़ा बदलाव करने जा रहा है। श्र सैनेटाइजर में एथेनॉल की मात्रा पर प्रतिबंध लगा सकता है।

समाचार एजेंसी रायटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, सैनिटाइजर में एथेनॉल का इस्तेमाल होता है, जो त्वचा के लिए हानिकारक है और इससे कैंसर का खतरा भी हो सकता है।

बैठक में होगा फैसला- यूरोपियन केमिकल एजेंसी ने इसका सुझाव दिया है। ECHA ने एथेनॉल को जहरीला बताते हुए इससे कैंसर और प्रेग्नेंसी में परेशानी होने की संभावना जताई है। ऐसे में सैनिटाइजर में एथेनॉल की जगह किसी और चीज का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया गया है। वहीं, आगामी 25-28 नवंबर के बीच ECHA की बायोसाइडल प्रोडक्ट कमेटी की बैठक होनी है, जिसमें इसपर फैसला हो सकता है।

अगर बैठक में यह साबित हो जाता है कि एथेनॉल एक कार्सिनोजेनिक (जहरीला) पदार्थ है, तो इसके विकल्प पर चर्चा हो सकती है। हालांकि, इसपर आखिरी फैसला यूरोपियन कमीशन का ही होगा।

WHO ने बताया था सुरक्षित- बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एथेनॉल और इसोप्रोपानॉल को हाथों के लिए सुरक्षित बताया है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि यूरोपियन यूनियन इसपर क्या फैसला करता है? रायटर्स के अनुसार, यूरोपियन केमिकल एजेंसी ने इसपर बात करने से साफ मना कर दिया है।

88 लाख का H-1B वीजा आज से लागू, इन लोगों ने ली राहत की सांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में रहने वाले हजारों भारतीय टेक प्रोफेशनल्स और छात्रों के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। ट्रंप प्रशासन ने साफ किया है कि हाल ही में लागू की गई H-1B वीजा की 1 लाख डॉलर (लगभग 88 लाख रुपये) की भारी-भरकम फीस से कई लोगों को छूट मिलेगी। खास तौर पर, अमेरिका में पहले से मौजूद अंतरराष्ट्रीय स्नातकों और मौजूदा H-1B वीजा धारकों को यह फीस नहीं देनी होगी।

इस एलान ने भारतीय कामगारों, अमेरिकी नियोक्ताओं और इमिग्रेशन वकीलों की चिंताओं को काफी हद तक कम कर दिया है। पिछले महीने ट्रंप प्रशासन ने तकनीकी रूप से कुशल विदेशी कामगारों के लिए यह मोटी फीस लागू की थी। इस खबर से भारतीय पेशेवरों को भारी चिंता हो गई थी, लेकिन अब नई गाइडलाइंस ने राहत की सांस दी है।

मौजूदा वीजा धारकों को राहत- यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज ने साफ किया कि यह 1 लाख डॉलर की फीस उन लोगों पर लागू नहीं होगी जो पहले से अमेरिका में वैध वीजा पर रह रहे हैं। इसमें F-1 स्टूडेंट वीजा धारक, L-1 इंट्रा-कंपनी ट्रांसफरी और मौजूदा H-1B वीजा धारक शामिल हैं। ये अपने वीजा की रिन्यूअल या एक्सटेंशन के लिए आवेदन कर रहे हैं।

आपकी मां ने..., रिपोर्टर के सवाल पर क्यों भड़क गईं व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी?

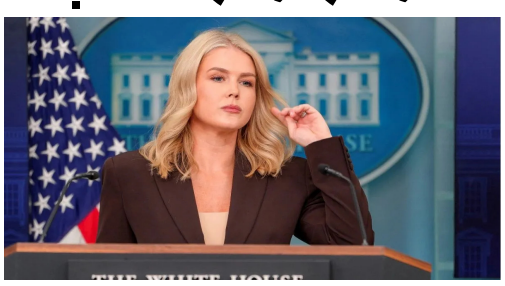

नई दिल्ली (एजेंसी)। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने सोमवार को एक रिपोर्टर पर पलटवार किया। इतना ही नहीं लेविट ने पत्रकार के लिए हैरान करने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया।

दरअसल, पूरा मामला अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उस एलान से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह यूक्रेन में युद्ध खत्म करने पर बात करने के लिए जल्द ही पुतिन से मिलेंगे। इसी मामले को लेकर जब रिपोर्टर व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी को मैसेज किया कि मीटिंग की जगह किसने चुनी, तो लेविट ने जवाब दिया कि आपकी मां ने चुनी थी।

इसका एक स्क्रीनशॉट भी उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इसके बाद नई अलग-अलग प्रकार की चर्चा होने लगी। इस पोस्ट में लेविट ने आरोप लगाया कि उसके (पत्रकार) मैसेज US प्रेसिडेंट डोनल्ड ट्रंप के खिलाफ डायरी जैसे थे।

लेविट ने एक्स पोस्ट में क्या कहा- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर व्हाइट हाउस की सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने लिखा कि इस प्रसंग के लिए हफिंगटन पोस्ट के एस.वी. डेट फैक्ट्स में इंटरेस्ट रखने वाले जर्नलिस्ट नहीं हैं। वह एक लेफ्ट-विंग हैक हैं, जिन्होंने सालों से राष्ट्रपति ट्रंप पर लगातार अटैक किया है और लगातार मेरे फोन पर डेमोक्रेट टॉकिंग पॉइंट्स की बौछार करते रहते हैं।

इस पोस्ट में लेविट ने आगे लिखा कि बस एस.वी. डेट का फीड देखो, यह एंटी-ट्रंप पर्सनल डायरी जैसा लगता है। उनकी पूछताछ पर मेरा पूरा जवाब यह है।

झारखंड में सोहराय पर्वः प्रकृति और पशुधन के प्रति आभार का उत्सव

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड की धरती पर जब दीपों की लौ मंद पड़ने लगती है, उसी समय गांवों की गलियों में एक नया उजाला फैलता है, सोहराय पर्व का। यह केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की जीवनदर्शन से जुड़ी अनोखी परंपरा है। इसमें धरती, जल, हवा और जीव-जंतुओं के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा का भाव मौजूद है। इस पर्व के माध्यम से समाज अपनी सांस्कृतिक जड़ों को सींचता है। प्रकृति के प्रति अपनी आस्था को भी जीवंत करता है।

पूर्वी सिंहभूम और आसपास के गांव करनडीह, सरजामदा, रानीडीह, हलुदबनी, पुरीहासा, तालसा, नरा, काचा, बेड़ाढीपा, बागबेड़ा, गदड़ा गोविदपुर, भिलाईपहाड़ी, बड़ाबांकी, हीराचुन्नी, बेलाजुड़ी, डिमना और बालीगुमा सरीखे विभिन्न गांवों में सोहराय की तैयारियों की धूम है। मिट्टी से लिपे घरों की दीवारें अब कलाकृतियों का कैनवास बन चुकी हैं। आदिवासी महिलाएं और बच्चियां गोबर, मिट्टी, चूना और प्राकृतिक रंगों से अपनी परंपरागत सोहराय पेंटिंग बना रही हैं।

दीवारों पर बनी कलाकृति जीवन दर्शन का प्रतीक है = दीवारों पर बनाई गई कलाकृति जीवन-दर्शन का प्रतीक है। दीवारों पर की गई सोहराय कलाकृति में पशुओं के झुंड, वृक्ष, पंछी, पहाड़ और पारिवारिक जीवन के दृश्य झलकते हैं। झारखंड जिसे जल, जंगल, जमीन की धरती कहा जाता है, वहां यह पर्व प्रकृति के प्रत्येक तत्व के प्रति सम्मान का संदेश देता है। मवेशियों के प्रति कृतज्ञता और आस्था- सोहराय पर्व दरअसल मवेशियों के प्रति कृतज्ञता का उत्सव है। फसल कटाई के बाद किसान अपने बैलों और गायों को स्नान कराते हैं, तेल लगाकर सजाते हैं और उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। दीपावली के दूसरे दिन बैलों की पूजा के साथ इस पांच दिवसीय पर्व की शुरुआत होती है।

ट्रेन के एसी कोच में सफर करने वालों को मिलेगा सरप्राइज, होने वाला है ये बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ सालों में भारतीय रेलवे में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। साफ-सुथरे कोच से लेकर तेज रफ्तार वंदे भारत ट्रेन अब लोगों की पहली पसंद बन चुके हैं। हालांकि, अब भारतीय रेलवे ने एसी कोच में एक और बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर ली है।

एसी कोच में सफर करने वाले यात्रियों को हमेशा सफेद रंग की प्लेन चादर ही दी जाती है। मगर, अब इनकी जगह रंग-बिरंगी और खूबसूरत चादरें ले सकती हैं। इन चादरों पर राजस्थान की पारंपरिक सांगानेरी प्रिंट वाली रंगीन और सुंदर कढ़ाई भी देखने को मिलेगी।

रेल मंत्री ने दिखाई झलक- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में इन चादरों की पहली झलक पेश की है। जयपुर में रेल मंत्री ने इसका उद्घाटन किया था। इन चादरों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ट्रेन के कुछ कोचों में रखा जाएगा। इसके लिए जयपुर-असरवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस का चुनाव किया गया है। अगर यह योजना सफल साबित होती है, तो इसे अन्य ट्रेनों के कोचों में भी लागू किया जा सकता है।ट्रेन के एसी कोच में सफल करने वाले लोगों को अक्सर यह शिकायत रहती हैं कि, उन्हें मिलने वाले चादर और कंबल साफ नहीं होते हैं।

दीवाली की रात बंगाल में चल रहा था ये खेल, 640 लोग गिरफ्तार; क्या है मामला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। काली पूजा उत्सव के दौरान सोमवार रात प्रतिबंधित पटाखों को फोडने, हुड़दंग मचाने और जुए जैसी अवैध गतिविधियों के लिए कोलकाता के विभिन्न हिस्सों से कुल 640 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

दिवाली की रात कोलकाता में 640 गिरफ्तार- कोलकाता पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने सोमवार रात पूजा के दौरान 852.45 किलोग्राम पटाखे और 68.4 लीटर शराब भी जब्त की। उन्होंने बताया कि हुड़दंग मचाने के आरोप में कुल 451 लोगों को, अवैध पटाखे फोडने के लिए 183 लोगों को और जुआ खेलने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया।

शराब पीकर गाड़ी चलाने पर कार्रवाई- अधिकारी ने कहा कि कोलकाता यातायात पुलिस ने बिना हेलमेट के पिछली सीट पर सवारी करने, पटाखे फोडने, हुड़दंग मचाने और तेज व लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप में भी कुल 882 लोगों पर मामला दर्ज किया।उन्होंने बताया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में 99 और नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में 156 लोगों पर मामला दर्ज किया गया।

दीवाली के बाद दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना दिल्ली, खतरनाक स्तर पर पहुंची एयर क्वालिटी

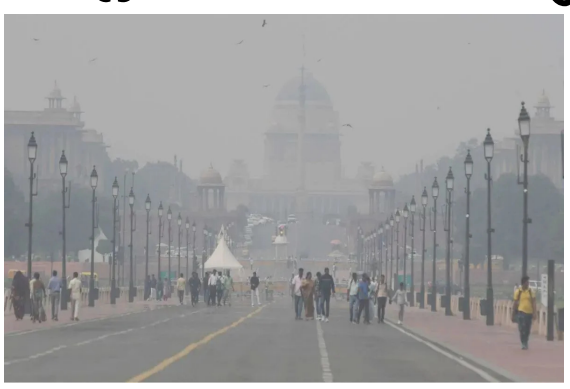

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली पर पटाखों के इस्तेमाल के बाद दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया। इस बात की जानकारी स्विस ग्रुप आईक्यूएयर ने दी। इसके मुताबिक, मंगलवार को दिल्ली में एयर क्वालिटी खतरनाक स्तर पर पहुंच गई और इसकी रीडिंग दुनिया में सबसे ज्यादा थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों पटाखों पर बैन में ढील दी थी और सिर्फ ग्रीन पटाखों फोड़ने के इस्तेमाल की इजाजत दी थी। हालांकि कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट की तय समय सीमा के बाद भी पटाखे फोड़े गए।

नई दिल्ली के लिए द्वारका की रीडिंग 442 थी, जिससे भारतीय राजधानी दुनिया का सबसे प्रदूषित बड़ा शहर बन गई। इसका PM 2.5 कंसंट्रेशन वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की बताई गई सालाना गाइडलाइन से 59 गुना ज्यादा था। पीएम 2.5 हवा में घुलने वाला छोटा पदार्थ होता है, जिसका व्यास 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम होता है और ये फेफड़ों में जा सकता है। इसका स्तर बढ़ने पर धुंध बढ़ती है और दिल की समस्याओं का खतरा होता है।

आने वाले दिनों में भी दिल्ली को नहीं मिलेगी राहत- इसके अलावा भारत के केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी शहर की एयर क्वालिटी को बहुत खराब बताया है, एयर क्वालिटी इंडेक्स 350 रहा। CPCB 0-50 के AQI को अच्छा मानता है। आने वाले दिनों में दिल्ली को राहत मिलने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि अर्थ साइंसेज मिनिस्ट्री का अनुमान है कि एयर क्वालिटी बहुत खराब से खराब कैटेगरी में रहेगी और AQI लेवल 201 से 400 के बीच रहेगा।

महाराज हनवंत सिंह और जुबैदा की प्रेम कहानी, प्लेन क्रैश में मौत फिर बेटे की हत्या; जोधपुर के इतिहास का काला सच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की आजादी के बाद राजघरानों की कई कहानियां सुर्खियों में आई, लेकिन जोधपुर के महाराज हनवंत सिंह और अभिनेत्री जुबैदा की प्रेम कहानी जितनी भावनात्मक और दुखद थी, उतनी शायद ही कोई और रही हो।

यह रिश्ता समाज की सीमाओं और परंपराओं को तोड़ते हुआ आगे बढ़ा, लेकिन एक विमान हादसे ने इस प्रेम कहानी का अंत कर दिया। यह वही कहानी है, जिस पर फिल्म जुबैदा बनी जिसे जुबैदा के बेटे और पत्रकार-फिल्मकार खालिद मोहम्मद ने लिखा और श्याम बेनेगल ने निर्देशित किया।

हनवंत सिंह का जन्म 16 जून 1923 को राठौड़ वंश में हुआ था। वे 1947 में जोधपुर के महाराजा बने, जब भारत स्वतंत्र हुआ और रियासतों के भारत में विलय की प्रक्रिया चल रही थी। उन्होंने 1943 में राजकुमारी कृष्णा कुमारी (धांगधरा राज्य) से शादी की और उनके तीन बच्चे हुए, जिनमें गज सिंह बाद में महाराज बने।

हनवंत सिर्फ परंपरागत राजा नहीं थे वे पोलो के खिलाड़ी, महत्वाकांक्षी नेता और राजनीति में उतरने वाले शाही शासकों में से एक थे। उन्होंने 1952 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भाग लेने का फैसला किया।

जुबैदा बेगम, 1926 में मुंबई में एक मुस्लिम परिवार में जन्मीं। उनकी मां फातिमा बेगम भारत की पहली महिला निर्देशक थीं और बहन सुल्ताना शुरुआती सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री थीं। जुबैदा खुद भी 1931 की एतिहासिक फिल्म आलम आरा की नायिका रहीं जो भारत की पहली बोलती फिल्म थी।

कैसे जुबैदा और हनवंत सिंह हुए एक- एक असफल विवाह और बेटे खालिद मोहम्मद के जन्म के बाद जुबैदा की मुलाकात महाराज हनवंत सिंह से हुई। दोनों के बीत प्यार हुआ और तमाम सामाजिक विरोधों के बावजूद जुबैदा ने आर्य समाज रीति से हिन्दू धर्म अपनाया और 17 दिसंबर 1950 को विद्या रानी नाम से शादी की। 1951 में देश के पहले आम चुनाव हो रहे थे। हनवंत सिंह लगातार रैलियों में व्यस्त थे और नींद तक नहीं ले पा रहे थे।

कर्नाटक में फोन इस्तेमाल करने पर संस्कृत अध्यापक ने छात्र को लात मारी, बुरी तरह पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के श्री गुरु थिप्पेस्वामी मंदिर आवासीय वेद स्कूल के एक संस्कृत अध्यापक का परेशान करने वाला वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह छात्र को फोन इस्तेमाल करने पर पीट रहा और लात मार रहा था।

अध्यापक की पहचान वीरेश हिरेमठ के तौर पर हुई है। कुछ मिनट तक ये टीचर स्टूडेंट से भिड़ता है और फिर उसे जमीन पर गिराकर लात मारने लगता है। कहा जा रहा है कि उसने लड़के को तब पीटा जब वह अपने माता-पिता से बात करने के लिए फोन कर रहा था।

चोट लगने के बाद भी पीटता रहा टीचर

स्टूडेंट के हाथ में चोट लगने के बावजूद टीचर उसे पीटता रहा। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी गंगाधर ने शिकायत दर्ज कराई और नायकनहट्टी पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। केस दर्ज होने के कुछ समय बाद ही आरोपी टीचर गायब हो गया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

अभिवावकों ने अध्यापक के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन- कुछ अभिवावकों ने टीचर के खिलाफ एक्शन लेने की मांग करते हुए स्कूल के पास विरोध प्रदर्शन किया। मामले पर महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने टीचर के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा, मुझे अभी नायकनहट्टी की इस बहुत परेशान करने वाली घटना के बारे में पता चला है, जहां एक स्कूल स्टूडेंट के साथ एक टीचर ने बुरी तरह मारपीट की। किसी के साथ भी ऐसा बर्ताव नहीं करना चाहिए, खासकर बच्चों के साथ। मैं खुद इस मामले को देखूंगी और पक्का करूंगी कि दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मैंने अपने डिपार्टमेंट के अधिकारियों को भी जल्द से जल्द इस घटना पर एक डिटेल्ड रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

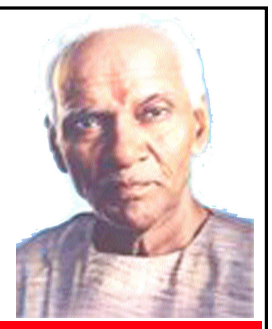

विक्रम संवत 2079 शुक्ल प्रतिपदा

संपादकीय

श्रीकृष्ण ब्रज स्थित शैल गोवर्धन के बीच से एक दूसरा विशाल रूप धारण करके निकले...

भगवान श्रीकृष्ण के जन्म होने से ब्रजभूमि की रज को आज भी कृष्णमयी मानकर लोग मस्तक पर लगाते हैं। कहते हैं यह तो रमण देती है। बड़े-बड़े लक्ष्मी के लाल और सुदामा मंडल के निर्धन भी यहां आकर अपने को धन्य मानते हैं। उनका भक्त हृदय यहां के टुकड़ों के लिए तरसता है। ओड़छे के व्यास बाबा गिड़गिड़ा कर कहते हैं-

ऐसो कब करिहौ मन मेरो।
कर करवा हरवा गुंजन की कुंजन माहि बसेरो॥
भूख लगै तब मांगि खाउंगो, गिनौ न सांझ सवेरो।
ब्रज बासिन के टूक-जूंठ अरू घर-घर छाछ महेरो।

ब्रजभूमि को भगवान कृष्ण गौ लोक से साथ लाए थे। ब्रज में आते ही ब्रजभूमि की शान बढ़ गई। गोपी गीत में गोपियां कहते हैं-

जयति ते अधिकं जन्मना व्रजः श्रयत इंदिरा शश्वदत्र हि।
दयति दृश्यता दिक्षुतावकास् तवयि धृता सवम् तवां विचिन्वते।

जिस प्रकार देवी-देवता, ऋषि-मुनि, श्रुतियों आदि ने आकर गोप-गोपिकाओं का जन्म ग्रहण किया, उसी प्रकार पुराणों और वेदों में इस भूमि को सृष्टि और प्रलय से मुक्त बताया है। यह वह भूमि है जिस पर उद्धवजी ने लोट-पोट होकर रमण रेती को मस्तक लगा दिया। ऐसा इसलिए है कि यहां पर बड़े-बड़े देवता यहां के निवासियों की जूठन खाना, प्रसाद ग्रहण करने की तरह समझते थे। सूरदासजी ने तभी तो लिखा है-

ब्रजवासी पट तर कोउ नाहि
ब्रह्म सनक सिवध्यान न पावत, इनकी जूठनि लै लै खाहि।
हलधर कहयौ, छाक जेंवत संग, मीठो लगत सराहत जाहि।

सूरदास प्रभु जो विश्वम्भर, तो ग्वाल के कौर अधाहि।

ब्रजभूमि को मथुरा और वृन्दावन में आसपास 84 कोस में फैली बताया है। वाराह पुराण के अनुसार भगवान ने कहा कि मथुरा मण्डल 20 योजन में है। यहां के तीर्थ स्थल पर स्नान करना मनुष्यों के लिए अपने पापों का नाश करना है-

विशति ंयोज नानां च माथुरं मम मण्डलम्।
यत्र-तत्र नः स्नात्वा मुच्यते सर्व पात कैः॥

इस 90 कोस में 12 महावन और 24 उपवन थे। सात सरिताएं थीं। 5 सरोवर थे। पांच पर्वत थे, जिसमें गोवर्धन सर्वाधिक पूजनीय माना गया है। भगवान कृष्ण ने जब गोवर्धन की पूजा का प्रस्ताव रखा तो समस्त देवता, अप्सराएं, नाग, कन्याएं और ब्रजवासियों के झुण्ड आने लगे। गंगाधर शिवजी भी पधारे। राजर्षि, ब्रह्मर्षि, देवर्षि, सिद्धेश्वर, हंस आदि मांगेश्वर तथा हजारों ब्राह्मण वृन्द गिरिराज के दर्शन को पधारे। (गर्ग संहिता)।

भगवान की बताई विधि से गिरिराज की पूजा प्रारंभ की गई। नन्द, उपनन्द, वृषभानु, गोपी वृन्द तथा गोप गण नाचने, गाने और बाजे बजाने लगे। उन सबके साथ हर्ष से भरे हुए श्रीकृष्ण ने गिरिराज की परिक्रमा की।

श्रीकृष्ण ब्रज स्थित शैल गोवर्धन के बीच से एक दूसरा विशाल रूप धारण करके निकले और मैं गिरिराज गोवर्धन हूं यह कहते हुए वहां का सारा अन्नकूट का भोग लगा गए। कुछ समय बाद अन्तर्ध्यान हो गये। देवराज इन्द्र इससे क्रोधित हो गए। उन्होंने सांवतर्क, मेघगणकों को पानी बरसाने को कहा। घबराये गोपों ने कृष्ण भगवान से कहा- ब्रजेश्वर कृष्ण, तुम्हारे कहने से हम लोगों ने इन्द्र योग छोड़कर गोवर्धन पूजा का उत्सव मनाया, इन्द्र का कोप बहुत बढ़ गया। अब शीघ्र बताओ, हमें क्या करना चाहिए। भगवान कृष्ण ने विश्वास दिलाया कि डटे रहें। समस्त परिकरों के साथ गिरिराज तट पर चलें। जिन्होंने तुम्हारी पूजा ग्रहण की है, वे ही तुम्हारी रक्षा करेंगे।

गोवर्धन पूजा

गोवर्धन पूजा अथवा अन्न कूट हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह कृषि एवं धन संबंधी पर्व कार्तिक प्रतिपदा को पड़ता है, जो दीपावली के दूसरे दिन सायंकाल ब्रज में गोवर्धन पूजा का विशेष आयोजन होता है। भगवान श्रीकृष्ण ने आज ही के दिन इन्द्र का मानमर्दन कर गिरिराज पूजन किया था। इस दिन मन्दिरों में अन्नकूट किया जाता है। सायंकाल गोबर के गोवर्धन बनाकर पूजा की जाती है।

धार्मिक मान्यता- वेदों में इस दिन वरुण, इन्द्र, अग्नि आदि देवताओं की पूजा का विधान है। इसी दिन बलि पूजा, गोवर्धन पूजा, मार्गपाली आदि होते हैं। इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराकर, फूल माला, धूप, चंदन आदि से उनका पूजन किया जाता है। गायों को मिठाई खिलाकर उनकी आरती उतारी जाती है। यह ब्रजवासियों का मुख्य त्योहार है। अन्नकूट या गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण के अवतार के बाद द्वापर युग से प्रारम्भ हुई। उस समय लोग इन्द्र भगवान की पूजा करते थे तथा छप्पन प्रकार के भोजन बनाकर तरह-तरह के पकवान व मिठाइयों का भोग लगाया जाता था। ये पकवान तथा मिठाइयां इतनी मात्रा में होती थीं कि उनका पूरा पहाड़ ही बन जाता था।

अन्न कूट- अन्न कूट एक प्रकार से सामूहिक भोज का आयोजन है जिसमें पूरा परिवार और वंश एक जगह बनाई गई रसोई से भोजन करता है। इस दिन चावल, बाजरा, कढ़ी, साबुत मूंग, चौड़ा तथा सभी सब्जियां एक जगह मिलाकर बनाई जाती हैं। मंदिरों में भी अन्नकूट बनाकर प्रसाद के रूप में बांटा जाता है।

पूजन विधि- इस दिन प्रातः गाय के गोबर से गोवर्धन बनाया जाता है। अनेक स्थानों पर इसके मनुष्याकार बनाकर पुष्पों, लताओं आदि से सजाया जाता है। शाम को गोवर्धन की पूजा की जाती है। पूजा में धूप, दीप, नैवेद्य, जल, फल, फूल, खील, बताशे आदि का प्रयोग किया जाता है।

गोवर्धन में ओंगा (अपामार्ग) अनिवार्य रूप से रखा जाता है।

पूजा के बाद गोवर्धनजी के सात परिक्रमाएं उनकी जय बोलते हुए लगाई जाती हैं। परिक्रमा के समय एक व्यक्ति हाथ में जल का लोटा व अन्य खील (जौ) लेकर चलते हैं। जल के लोटे वाला व्यक्ति पानी की धारा गिराता हुआ तथा अन्य जौ बोते हुए परिक्रमा पूरी करते हैं।

गोवर्धनजी गोबर से लेटे हुए पुरुष के रूप में बनाए जाते हैं। इनकी नाभि के स्थान पर एक कटोरी या मिट्टी का दीपक रख दिया जाता है। फिर इसमें दूध, दही, गंगाजल, शहद, बताशे आदि पूजा करते समय डाल दिए जाते हैं और बाद में इसे प्रसाद के रूप में बांट देते हैं।

अन्नकूट में चंद्र-दर्शन अशुभ माना जाता है। यदि प्रतिपदा में द्वितीया हो तो अन्नकूट अमावस्या को मनाया जाता है।

इस दिन प्रातःतेल मलकर स्नान करना चाहिए।

इस दिन पूजा का समय कहीं प्रातःकाल है तो कहीं दोपहर और कहीं पर सन्ध्या समय गोवर्धन पूजा की जाती है।

इस दिन सन्ध्या के समय दैत्यराज बलि का पूजन भी किया जाता है।

गोवर्धन गिरि भगवान के रूप में माने जाते हैं और इस दिन उनकी पूजा अपने घर में करने से धन, धान्य, संतान और गोरस की वृद्धि होती है। आज का दिन तीन उत्सवों का संगम होता है।

इस दिन दस्तकार और कल-कारखानों में कार्य करने वाले कारीगर भगवान विश्वकर्मा की पूजा भी करते हैं। इस दिन सभी कल-कारखाने तो पूर्णतः बंद रहते ही हैं, घर पर कुटीर उद्योग चलाने वाले कारीगर भी काम नहीं करते। भगवान विश्वकर्मा और मशीनों एवं उपकरणों का दोपहर के समय पूजन किया जाता है।

गोबर्धन पूजा की कथा- एक बार एक महर्षि ने ऋषियों से कहा कि कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को गोवर्धन व अन्नकूट की पूजा करनी चाहिए। तब ऋषियों ने महर्षि से पूछा- अन्नकूट क्या है? गोवर्धन कौन हैं? इनकी पूजा क्यों तथा कैसे करनी चाहिए? इसका क्या फल होता है? इस सबका विधान विस्तार से कहकर कृतार्थ करें।

महर्षि बोले- एक समय की बात है- भगवान श्रीकृष्ण अपने सखा और गोप-ग्वालों के साथ गाय चराते हुए गोवर्धन पर्वत की तराई में पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्होंने देखा कि हज़ारों गोपियां 56 (छप्पन) प्रकार के भोजन रखकर बड़े उत्साह से नाच-गाकर उत्सव मना रही थीं। पूरे ब्रज में भी तरह-तरह के मिष्ठान्न तथा पकवान बनाए जा रहे थे। श्रीकृष्ण ने इस उत्सव का प्रयोजन पूछा तो गोपियां बोली-आज तो घर-घर में यह उत्सव हो रहा होगा, क्योंकि आज वृत्रासुर को मारने वाले मेघदेवता, देवराज इन्द्र का पूजन होगा। यदि वे प्रसन्न हो जाएं तो ब्रज में वर्षा होती है, अन्न पैदा होता है, ब्रजवासियों का भरण-पोषण होता है, गायों का चारा मिलता है तथा जीविकोपार्जन की समस्या हल होती है।

यह सुनकर श्रीकृष्ण ने कहा- यदि देवता प्रत्यक्ष आकर भोग लगाएं, तब तो तुम्हें यह उत्सव व पूजा ज़रूर करनी चाहिए। गोपियों ने यह सुनकर कहा- कोटि-कोटि देवताओं के राजा देवराज इन्द्र की इस प्रकार निंदा नहीं करनी चाहिए। यह तो इन्द्रोज नामक यज्ञ है। इसी के प्रभाव से अतिवृष्टि तथा अनावृष्टि नहीं होती।

श्रीकृष्ण बोले- इन्द्र में क्या शक्ति है, जो पानी बरसा कर हमारी सहायता करेगा? उससे अधिक शक्तिशाली तो हमारा यह गोवर्धन पर्वत है। इसी के कारण वर्षा होती है। अतः हमें इन्द्र से भी बलवान गोवर्धन की पूजा करनी चाहिए। इस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण के वाक-जाल में फंसकर ब्रज में इन्द्र के स्थान पर गोवर्धन की पूजा की तैयारियां शुरू हो गईं। सभी गोप-ग्वाल अपने-अपने घरों से सुमधुर, मिष्ठान्न पकवान लाकर गोवर्धन की तलहटी में श्रीकृष्ण द्वारा बताई विधि से गोवर्धन पूजा करने लगे।

उधर श्रीकृष्ण ने अपने आधिदैविक रूप से पर्वत में प्रवेश करके ब्रजवासियों द्वारा लाए गए सभी पदार्थों को खा लिया तथा उन सबको आशीर्वाद दिया। सभी ब्रजवासी अपने यज्ञ को सफल जानकर बड़े प्रसन्न हुए। नारद मुनि इन्द्रोज यज्ञ देखने की इच्छा से वहां आए। गोवर्धन की पूजा देखकर उन्होंने ब्रजवासियों से पूछा तो उन्होंने बताया- श्रीकृष्ण के आदेश से इस वर्ष इन्द्र महोत्सव के स्थान पर गोवर्धन पूजा की जा रही है। यह सुनते ही नारद उल्टे पांव इन्द्रलोक पहुंचे तथा उदास तथा खिन्न होकर बोले-हे राजन! तुम महलों में सुख की नींद सो रहे हो, उधर गोकुल के निवासी गोपों ने इद्रोज बंद करके आप से बलवान गोवर्धन की पूजा शुरू कर दी है। आज से यज्ञों आदि में उसका भाग तो हो ही गया। यह भी हो सकता है कि किसी दिन श्रीकृष्ण की प्रेरणा से वे तुम्हारे राज्य पर आक्रमण करके इन्द्रासन पर भी अधिकार कर लें।

नारद तो अपना काम करके चले गए। अब इन्द्र क्रोध में लाल-पीले हो गए। ऐसा लगता था, जैसे उनके तन-बदन में अग्नि ने प्रवेश कर लिया हो। इन्द्र ने इसमें अपनी मानहानि समझकर, अधीर होकर मेघों को आज्ञा दी- गोकुल में जाकर प्रलयकालिक मूसलाधार वर्षा से पूरा गोकुल तहस-नहस कर दें, वहां प्रलय का सा दृश्य उत्पन्न कर दें। पर्वताकार प्रलयंकारी मेघ ब्रजभूमि पर जाकर मूसलाधार बरसने लगे। कुछ ही पलों में ऐसा दृश्य उत्पन्न हो गया कि सभी बाल-ग्वाल भयभीत हो उठे। भयानक वर्षा देखकर ब्रजमंडल घबरा गया। सभी ब्रजवासी श्रीकृष्ण की शरण में जाकर बोले- भगवन! इन्द्र हमारी नगरी को डुबाना चाहता है, आप हमारी रक्षा कीजिए।

गोप-गोपियों की करुण पुकार सुनकर श्रीकृष्ण बोले- तुम सब गऊओं सहित गोवर्धन पर्वत की शरण में चलो। वही सब की रक्षा करेंगे। कुछ ही देर में सभी गोप-ग्वाल पशुधन सहित गोवर्धन की तलहटी में पहुंच गए। तब श्रीकृष्ण ने गोवर्धन को अपनी कनिष्ठा अंगुली पर उठाकर छाता सा तान दिया और सभी गोप-ग्वाल अपने पशुओं सहित उसके नीचे आ गए। सात दिन तक गोप-गोपिकाओं ने उसी की छाया में रहकर अतिवृष्टि से अपना बचाव किया। सुदर्शन चक्र के प्रभाव से ब्रजवासियों पर एक बूंद भी जल नहीं पड़ा। इससे इन्द्र को बड़ा आश्चर्य हुआ। यह चमत्कार देखकर और ब्रह्माजी द्वारा श्रीकृष्ण अवतार की बात जानकर इन्द्र को अपनी भूल पर पश्चाताप हुआ। वह स्वयं ब्रज गए और भगवान कृष्ण के चरणों में गिरकर अपनी मूर्खता पर क्षमायाचना करने लगे।

रुपये में उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए आरबीआई ने उठाया बड़ा कदम, अगस्त में बेचे 7.7 अरब डॉलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने और अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट को रोकने के लिए अगस्त में 7.7 अरब अमेरिकी डॉलर बेचे।

आरबीआई के नवीनतम बुलेटिन में प्रकाशित अमेरिकी डॉलर की बिक्री/खरीद के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में केंद्रीय बैंक की अमेरिकी डॉलर की शुद्ध बिक्री 7.69 अरब अमेरिकी डॉलर रही जो पिछले महीने की तुलना में लगभग तीन गुना है।

जुलाई और अगस्त में अमेरिकी डॉलर नहीं खरीदे- आंकड़ों के अनुसार, केंद्रीय बैंक ने जुलाई और अगस्त में अमेरिकी डॉलर नहीं खरीदे। आरबीआई का घोषित रुख यह है कि वह रुपये-डॉलर विनिमय दर के किसी स्तर या दायरे को लक्षित नहीं करता, बल्कि विदेशी मुद्रा बाजार में केवल तभी हस्तक्षेप करता है जब अत्यधिक अस्थिरता हो।

अगस्त में डॉलर के मुकाबले रुपये में बड़ी गिरावट- अगस्त में डॉलर के मुकाबले रुपये में बड़ी गिरावट आई थी। इसके बाद बढ़ते व्यापार तनाव, बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और लगातार विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की निकासी के बीच सितंबर में भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में गिरावट दर्ज की गई थी।

अभी कितने पर है डॉलर- सेंट्रल बैंक एक्सचेंज रेट में उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए स्पॉट और फॉरवर्ड मार्केट में दखल देता है। 20 अक्टूबर को, रुपया डॉलर के मुकाबले थोड़ा बढ़कर 87.9275 पर बंद हुआ। RBI के सरकारी बैंकों के जरिए मार्केट में वापस आने की उम्मीद है, जिससे रुपये को 88 के लेवल के पास सपोर्ट मिलेगा।

रुपया अन्य एशियाई करेंसियों में सबसे खराब प्रदर्शन करने वालों में से एक रहा है, जिसने इस साल अब तक 4.61 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की है, जिसमें सितंबर सबसे खराब महीना रहा। हालांकि, इस सोमवार और मंगलवार को यह 10 पैसा बढ़कर मंगलवार को 87.9620 पर पहुंच गया। अक्टूबर के दौरान, रुपया 0.39 प्रतिशत मजबूत हुआ है, लेकिन पिछले 12 महीनों में यह 4.61 प्रतिशत नीचे आया है।

फैंटास्टिक डील या फिर 155% टैरिफ, चिनफिंग से मुलाकात से पहले ट्रंप का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर चीन को सख्त चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर ट्रेड डील नहीं हुई, तो चीन पर 155त्न तक टैरिफ लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर समझौता हो जाता है, तो यह दोनों देशों के लिए फैंटास्टिक डील होगी।

ट्रंप ने ये बयान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ के साथ व्हाइट हाउस में मुलाकात के दौरान दिया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है हम चीन के साथ एक शानदार डील करने जा रहे हैं। यह दोनों देशों और पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद होगी।

ट्रंप ने दावा किया कि चीन अब अमेरिका के प्रति सम्मानजनक रवैया अपना रहा है। उन्होंने कहा, चीन हमें बहुत पैसा दे रहा है। अभी वे 55त्न टैरिफ चुका रहे हैं, और अगर डील नहीं हुई तो यह 155त्न तक जा सकता है।

ट्रंप ने बताया कि वे अगले कुछ हफ्तों में दक्षिण कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा, हमारे रिश्ते अच्छे हैं और मुझे लगता है हम दोनों देशों के लिए फायदेमंद कुछ तय कर लेंगे।

दरअसल, हाल ही में बीजिंग ने रेयर अर्थ मटेरियल्स के एक्सपोर्ट पर नियंत्रण कड़ा किया है। ये मटेरियल स्मार्टफोन, फाइटर जेट, इलेक्ट्रिक व्हीकल और हाई-टेक प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल होते हैं।

मुहूर्त ट्रेडिंग का सितारा साबित हुआ 30 रुपये वाला यह इकलौता शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में दिवाली के मौके पर मुहूर्त ट्रेडिंग 2025 का समापन हो गया। दोपहर 1.45 से 2.45 तक चले इस खास कारोबारी सत्रों में निवेशकों ने शुभ निवेश के लिहाज से कई शेयरों में पैसा लगाया। खास बात है कि इस दौरान 30 रुपये वाला एक शेयर एनएसई का टॉप परफॉर्मिंग स्टॉक रहा, क्योंकि यह शेयर 20 फीसदी के अपर सर्किट के साथ बंद हुआ।

लेक्सस ग्रेनिटो के शेयर बड़ी तेजी के साथ 30.50 रुपये पर खुले और 19.97 फीसदी की बढ़त के साथ 33.22 रुपये पर बंद हुए। इस दौरान शेयरों का कुल ट्रेडिंग वॉल्युम 3.86 लाख रहा यानी करीब 3 लाख 86 हजार शेयरों की खरीदी-बिक्री हुई।

लंबे समय के बाद आई तेजी- सिरेमिक टाइल्स बनाने वाली कंपनी लेक्सस ग्रेनिटो के शेयरों में 25 जुलाई से बिकवाली हावी थी, लेकिन आज की तेजी के चलते कंपनी के शेयर फिर से 25 जुलाई के उच्च स्तरों पर पहुंच गए। 25 जुलाई को शेयर का हाई 33 रुपये था, जबकि 21 अक्तूबर को कंपनी के स्टॉक 33.22 रुपये पर बंद हुए।

19.97% की तेजी के साथ टॉप गेनर- खास बात है कि 30 रुपये वाला यह शेयर मुहूर्त ट्रेडिंग में एनएसई का टॉप स्टॉक है, जो 19.97 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। सिरेमिक टाइल्स बनाने वाली इस कंपनी का कुल मार्केट कैप 67 करोड़ रुपये है।

हालांकि, इस कंपनी के शेयरों ने पिछले 6 महीने और एक साल में नेगेटिव रिटर्न दिया है, जबकि 5 सालों में 300 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे दिया है। शेयर का 52 वीक लो 25.10 रुपये है जबकि एक साल का उच्च स्तर 52.89 रुपये है।

12,000 से ज्यादा गिर सकता है सोना, क्या ये निवेश का सही समय है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली साल का सबसे बड़ा त्योहार है। दिवाली तक सोने की मांग अपनी चरम सीमा पर रहती है। इसलिए इस समय सोने का भाव अपनी ऊंचाई पर होता है। लेकिन दिवाली खत्म होने के बाद सोने की कीमत में एक करेक्शन देखी जाती है। क्योंकि दिवाली के बाद सोने की डिमांड कम हो जाती है।

एक मीडिया रिपोर्ट में कामाख्या ज्वेलर्स के को फाउंडर मनोज झा ने दिवाली के बाद जो सोने में गिरावट का टारगेट प्राइस दिया है, वे काफी चौकाने वाला है। उन्होंने कहा कि सोने का भाव अपनी चरम सीमा पर है।

उन्होंने कहा कि सोने का दाम अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया है। ऐसे में निवेशक काफी चिंतित हैं। इससे पहले इतनी बड़ी बढ़ोतरी साल 1979-80 और 2010-11 में देखी गई थी। लेकिन इतनी ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सोने के दाम में भारी गिरावट या करेक्शन भी आया।

उन्होंने ये बताया कि हाल फिलहाल में सोने में हुई बढ़ोतरी को देखते हुए निवेशकों ने अपने पोर्टफोलियो में इसकी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। पहले निवेशक पूरे पोर्टफोलियो की तुलना में 10 से 12 फीसदी पैसा सोने में निवेश करते थे। लेकिन अब निवेशक 18 से 22 फीसदी सोने में निवेश करने लगे हैं।

बेस्ट हेल्थ इंश्योरेंस परिवार के लिए कैसे चुनें, फ्लोटर या इंडिविजुअल पॉलिसी कौन-सी है आपके लिए बेहतर विकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। आजकल हर परिवार चाहता है कि मेडिकल इमरजेंसी के वक्त पैसों की चिंता न करनी पड़े। लेकिन जब हेल्थ इंश्योरेंस लेने की बात आती है, तो सबसे बड़ा सवाल यही होता है। क्या हर सदस्य के लिए अलग-अलग पॉलिसी लें या सबके लिए एक ही फैमिली फ्लोटर प्लान? दोनों का मकसद तो मेडिकल खर्चों से सुरक्षा देना है, लेकिन इनका तरीका और फायदा थोड़ा अलग होता है।

क्या होता है फैमिली फ्लोटर प्लान- फ्लोटर प्लान, जिसे फैमिली फ्लोटर भी कहा जाता है, में एक ही बीमा राशि होती है जो परिवार के सभी सदस्यों के बीच शेयर होती है। इसमें आम तौर पर पति-पत्नी, बच्चे और कभी-कभी माता-पिता या भाई-बहन भी कवर होते हैं।

उदाहरण के तौर पर अगर किसी परिवार के चार सदस्य हैं, तो हर एक के लिए ?5 लाख का अलग-अलग कवर लेने के बजाय, वही परिवार ?10 लाख का एक फैमिली फ्लोटर प्लान ले सकता है जो सभी पर लागू होगा।

पहले लोग सिर्फ प्रीमियम देखकर पॉलिसी चुन लेते थे। लेकिन अब सोच बदल गई है। जानकारों के मुताबिक अब सिर्फ प्रीमियम की बात नहीं होती। परिवार ऐसे प्लान चाहते हैं जो लचीले हों, वेलनेस बेनिफिट्स दें और डिजिटल रूप से आसान हों। लोग अब ऐसे कवर्स देख रहे हैं जिनमें प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप, मेंटल वेलनेस, और OPD बेनिफिट्स भी शामिल हों। साथ ही, वे अब रूम रेंट लिमिट, को-पेमेंट और हॉस्पिटल नेटवर्क जैसे पॉइंट्स पर भी ध्यान दे रहे हैं।

टाटा ग्रुप की इस कंपनी को फिर से हुआ घाटा, बुरी तरह लुढ़के मल्टीबैगर शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स लिमिटेड के शेयर 20 अक्टूबर को शुरुआती कारोबार में करीब 8त्न तक गिर गए। क्योंकि, कंपनी ने लगातार तीसरी तिमाही में घाटा हुआ है। हालांकि, 21 अक्टूबर को मुहूर्त ट्रेडिंग में कंपनी के शेयरों में दो फीसदी की तेजी देखने को मिली। दरअसल, तेजस नेटवर्क ने शुक्रवार को बाज़ार बंद होने के बाद वित्तीय वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के नतीजों का ऐलान किया। कंपनी ने बताया कि त्त2 में उसे 307.17 करोड़ का नेट लॉस हुआ, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में उसे 275.18 करोड़ का नेट प्रॉफिट हुआ था।

ऑपरेशन से कंपनी का रेवेन्यू 90.7% घटकर 261.37 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2,810.14 करोड़ रुपये था।

तेजस नेटवर्क्स के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर सुमित ढींगरा ने कहा, वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में हमारा राजस्व 262 करोड़ रुपये रहा, जिसमें तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 30 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

एक बार SC समुदाय के युवक के साथ दरिंदगी, दबंगों ने अगवा करके पिलाई पेशाब

भिंड। भिंड जिले के सुरपुरा थाना क्षेत्र के अजुद्दीपुरा गांव में सोमवार दोपहर इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां अनुसूचित समाज के 33 वर्षीय युवक ज्ञान सिंह जाटव पुत्र विजय जाटव को कुछ दबंगों ने घर से किडनैप कर न केवल बेरहमी से पीटा बल्कि उसे जबरन पेशाब पिलाने जैसी अमानवीय हरकत भी की।

पीड़ित के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब 3 बजे वह अपने घर के बाहर बैठा था। तभी सोनू बरुआ निवासी सुरपुरा, आलोक पाठक और छोटू ओझा बोलेरो गाड़ी से आए।

तीनों ने मिलकर उसे जबरदस्ती गाड़ी में डाल लिया और सेमरपुरा मोड़ तक ले गए। वहां पहुंचकर आरोपितों ने उसके साथ लात-घूंसों और डंडों से मारपीट की तथा उसे जबरन पेशाब पिलाई।

पीड़ित ने बताया कि दबंगों ने उसे धमकाया कि अगर उसने पुलिस में शिकायत की तो जान से मार देंगे। इसके बाद आरोपी उसे बोलेरो में डालकर ग्वालियर तक ले गए और शाम को किसी तरह वापस उसके घर के पास छोड़कर फरार हो गए। पुलिस का कहना है विवाद की वजह सोनू बरुआ उससे अपनी बोलेरो गाड़ी चलाने की बात कही थी लेकिन उसने मना कर दिया था इसी बात पर सोनू से राजेश रंजिश मान ली।

घटना की जानकारी मिलते ही स्वजन और ग्रामीणों ने सुरपुरा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें राउंडअप कर लिया है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एएसपी संजीव पाठक और कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने मंगलवार दोपहर जिला अस्पताल पहुंचकर पीड़ित से मुलाकात की। अफसरों ने पीड़ित का बयान लिया और निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया।

एएसपी संजीव पाठक ने बताया कि आरोपितों को राउंडअप कर लिया गया है और मारपीट व अत्याचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

लाडली बहनों के लिए खुशखबरी... भाईदूज के दिन खाते में आएंगे इतने पैसे, सीएम भेजेंगे शगुन

भोपाल। मध्य प्रदेश की लाडली बहनों के लिए बड़ी खुशखबरी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अब 23 अक्टूबर को महिलाओं के खातों में 250 रुपए शगुन राशि ट्रांसफर करने जा रहे हैं। यह राशि भाईदूज के मौके पर दी जाएगी। इस शगुन के साथ प्रदेश की महिलाओं को लाड़ली बहना योजना के तहत अब हर महीने 1500 रुपए मिलना शुरू हो जाएगा।

अक्टूबर की 1250 रुपए की किस्त पहले ही मिल चुकी

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अक्टूबर महीने की 1250 रुपए की नियमित किस्त पहले ही ट्रांसफर कर दी थी। अब 23 अक्टूबर को महिलाओं के खातों में अतिरिक्त 250 रुपए भेजे जाएंगे। इस तरह, अक्टूबर माह में कुल 1500 रुपए की राशि लाड़ली बहनों को प्राप्त होगी।

नवंबर से अब हर महीने मिलेंगे 1500 रुपए

सीएम मोहन यादव ने दिवाली से पहले ही यह ऐलान किया था कि अक्टूबर से लाड़ली बहना योजना की राशि 1500 रुपए प्रति माह कर दी जाएगी। इस महीने यह राशि दो हिस्सों में ट्रांसफर हो रही है, जबकि नवंबर से हर महीने सीधे 1500 रुपए एक साथ महिलाओं के खातों में आएंगे।

1.26 करोड़ से अधिक महिलाओं को होगा फायदा

लाड़ली बहना योजना का लाभ फिलहाल 1.26 करोड़ से अधिक महिलाओं को मिल रहा है। जब यह योजना 2022 में शुरू हुई थी, तब महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए मिलते थे। बाद में इसे बढ़ाकर 1250 रुपए किया गया और अब राशि बढ़कर 1500 रुपए प्रति माह हो गई है।

रक्षाबंधन के बाद अब भाईदूज पर भी शगुन

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रक्षाबंधन के अवसर पर भी महिलाओं को 250 रुपए शगुन के रूप में ट्रांसफर किए थे। अब भाईदूज पर भी यह परंपरा जारी रखते हुए महिलाओं को 250 रुपए अतिरिक्त दिए जा रहे हैं।

सिंगल क्लिक से होगा ट्रांसफर

सीएम मोहन यादव 23 अक्टूबर को सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि ट्रांसफर करेंगे। इसके तहत प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों के खातों में सीधे पैसा पहुंच जाएगा।योजना से जुड़ी मुख्य बातें

अक्टूबर की किस्त- 1250 रुपए (पहले ही ट्रांसफर)

बाघ नाखून बेचने पहुंचे तस्कर पकड़े गए, आरोपी की निशानदेही पर जंगल से मिला कंकाल

बालाघाट, उकवा। वन परिक्षेत्र उत्तर उकवा सामान्य में बाघ नाखून तस्करी मामले में फरार एक आरोपित सतीश भलावी ग्राम मैरा निवासी को पकड़ा गया है। आरोपित ने पूछताछ में बाघ के नाखून का राज खोला और 18 अक्टूबर को वन अमले ने मैरा लामता के जंगल से बाघ के शव कंकाल भी खोद निकाला हैं।

बाघ नाखून मामले में अब तक तीन आरोपित जेल जा चुके है। नाखून व्यापारी को बेचने वाला ग्राम फंडकी मोहगांव निवासी किशोर उर्फ नंदकिशोर पटले फरार है, जिसकी वन विभाग तालाश कर रहा हैं।

वन परिक्षेत्र उत्तर उकवा सामान्य के अंतर्गत 12 अक्टूबर को ग्राम छपरवाही पर अमरूटोला रोड के पास चार व्यक्तियों के द्वारा बाघ के नाखूनों को बेचने के लिए व्यापारी का इंतजार कर रहे थे।

व्यापारी पहुंचने के पहले ही वन विभाग को देख भागने लगे। जहां दो लोगों को पकड़ा गया। जिसमें महेंद्र मडावी और महेंद्र राऊत के पास से लाल कपड़े की पोटली में बंधे 13 बाघ नाखून बरामद किए थे।

मौके से बाघ के नाखून लाने वाला सतीश भलावी और व्यापारी से संपर्क रखने वाला किशोर पटले भागने में सफल हो गए थे, वहां सतीश को वन विभाग की टीम ने पकड़कर पूछताछ की, तो बाघ के नाखून को बेचने के लिए महेंद्र मरावी को देना स्वीकार किया गया।

चार साल पहले मिले थे नाखून

वन विभाग के पूछताछ में सतीश ने बताया कि बाघ के नाखून उसने बेचने लाए थे। बाघ के नाखून चार साल पहले ग्राम मैरा के जंगल में मिले थे। सतीश की माने तो चार साल पहले वह अपनी पत्नी के साथ जंगल लकड़ी के लिए गया था। जहां बाघ मृत और शरीर नष्ट हुआ दिखाई दिया तो उसने 18 नाखून निकाल लिए और उसे घर में रख दिया। फिर उसका संपर्क चार साल बाद तस्करों से हुआ तो उसने बेचने का मन बनाया और वन विभाग ने उसे पकड़ लिया।

सतीश के निशानदेही पर वन अमला ग्राम मैरा के जंगल में नाखून वाली जगह पर पहुंचे और फिर खुदाई शुरू कर दी। जहां बाघ का सिर वाले का हिस्सा का कंकाल खोद निकाला गया।

वन विभाग की माने तो अभी स्पष्ट नहीं कहा जा सकता कि जो कंकाल मिला है वह बाघ का ही है, कंकाल का बिसरा जबलपुर फारेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा और रिपोर्ट से खुलासा होगा कि यह कंकाल किस वन्य प्राणी का है। इधर, वन विभाग ने फरार आरोपित को पकड़ने सात सदस्यीय टीम गठित की गई है।

इन्हें भेजा गया जेल-बाघ नाखून तस्करी मामले में पहले महेंद्र मडावी, महेंद्र राऊत और अब सतीश को न्यायालय में पेश कर अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। नंदकिशोर पटले की तलाश में वन विभाग की टीम जुटी हुई हैं।

वन विभाग के अमले ने पूर्व में बाघ के नाखून सहित दो आरोपित को गिरफ्तार किया है, जिनकी निशानदेही पर मैरा लामता के जंगल से कंकाल खुदवाया गया है।

कंकाल के सैंपल लेकर फारेंसिक लैब जबलपुर भेजा जाएगा। उसके बाद स्पष्ट होगा कि यह कंकाल बाघ का है की नहीं। मामले में सात सदस्यीय टीम फरार आरोपित की तलाश कर रही है। गौरव चौधरी, सीसीएफ, बालाघाट।

रंगनाथन की भंगिमा चर्चा में, बच्चों की मौत का नहीं कोई गम, मीडिया को देख किया अभिवादन

छिंदवाड़ा। जहरीले कोल्डरिफ कफ सिरप कांड के मुख्य आरोपित और दवा कंपनी श्रीशन फार्मास्यूटिकल के मालिक जी. रंगनाथन गोविंदन को आज जब परासिया के न्यायालय में पेश किया गया और बाद में जिला जेल भेजा गया, तो उसकी भाव भंगिमा नगर में चर्चा का विषय बन गई।

सेलिब्रिटी की तरह हिलाए हाथ-आरोपित रंगनाथन पर जिस दूषित सिरप से 24 मासूम बच्चों की मौत का आरोप है, उसने मीडिया और मौके पर मौजूद भीड़ को देखकर बेहद अजीब प्रतिक्रिया दी।

आरोपित मीडिया कैमरों को देखकर इस प्रकार हाथ हिला रहा था, जैसे वह कोई लोकप्रिय नेता या सेलिब्रिटी हो।

पुलिस हिरासत में होने और इतने गंभीर अपराध का आरोपित होने के बावजूद, उसके चेहरे पर बच्चों की मौत का कोई पछतावा या शिकन तक दिखाई नहीं दी।

आरोपित का यह गैर-जिम्मेदाराना और लापरवाह व्यवहार बच्चों के शोकसंतप्त परिवारों और स्थानीय लोगों के बीच और अधिक आक्रोश पैदा कर रहा है। न्यायालय ने आज रंगनाथन को पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

देश को पांच हिस्सों में बांटकर चुनाव की तैयारी में जुटेगी कांग्रेस

भोपाल। वर्ष 2023 के विधानसभा और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के हाथों कांग्रेस को करारी हार मिली। इससे सबक लेते हुए वर्ष 2025 में ध्यान संगठन सृजन पर केंद्रित किया। यह काम पंचायत स्तरीय इकाई के गठन के साथ पूरा हो जाएगा। इसके बाद संगठन चुनाव की तैयारी में जुटेगा।

इसके लिए प्रदेश को पांच हिस्सों ग्वालियर- चंबल, मालवा-निमाड़, महाकोशल, मध्य क्षेत्र और बुंदेलखंड-विंध्य में बांटा जाएगा। मैदानी तैयारी करने के लिए वरिष्ठ नेताओं के साथ क्षेत्र के पदाधिकारियों की टीम बनेगी। इसका काम उन क्षेत्रों को चिह्नित करना होगा, जहां पार्टी थोड़ा और जोर लगाए तो परिणाम पक्ष में आ सकते हैं।प्रदेश में दलीय राजनीति के आधार पर चुनाव का सिलसिला वर्ष 2027 में शुरू होगा। सबसे पहले नगरीय निकाय चुनाव होंगे। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने 16 नगर निगमों से पांच में महापौर बनाने में सफलता प्राप्त की थी। हालांकि, कई निकायों में पार्टी को प्रत्याशी तक नहीं मिले थे। चूंकि, निकाय चुनाव से जो वातावरण बनता है वह एक साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं को उत्साहित करता है।

प्रदेश सरकार किसानों के जीवन को बेहतर करने के लिए कर रही है लगातार कार्य : मुख्यमंत्री

31 करोड़ के 30 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों, गरीबों, युवाओं, महिलाओं सहित सभी के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। प्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार हैं। किसानों की जिंदगी बेहतर हो, इसके लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि से किसानों को हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिये प्रदेश में अबतक 1800 करोड़ रुपये की राहत राशि वितरित की जा चुकी हैं। किसानों की फसलों को किसी भी कारण से क्षति होने पर सहायता दी जायेगी। किसान खून-पसीना एक कर कड़ी मेहनत से फसलें पैदा करता हैं। यदि प्राकृतिक कारणों से फसलों को क्षति होती हैं तो हमारा दायित्व है हम उनकी मदद करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन जिले की तराना तहसील में आयोजित राहत राशि वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अतिवृष्टि से हुई फसल क्षति के लिए आगर-मालवा जिले के किसानो के लिए 138 करोड़ रुपये एवं उज्जैन जिले के किसानों के लिए 265 करोड रुपए इस प्रकार कुल 403 करोड़ रुपये की राहत राशि तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की हितग्राहियों सहित गैर उज्ज्वला, विशेष पिछड़ी जनजाति की प्रदेश की कुल 29 लाख बहनों को 45 करोड़ रुपए की सहायता राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदान की। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लगभग 31 करोड़ रुपए के 30 कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सोलर पम्प लगाने पर अब किसानों को केवल प्रोजेक्ट लागत की 10 प्रतिशत राशि ही देना होगी, शेष राशि सरकार द्वारा दी जायेगी। सोलर पम्प लगाने के बाद किसानों को बिजली बिल से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने बताया कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसानों को दुग्ध उत्पादन से जोड़ा जा रहा है। देशी गाय पालन पर सरकार द्वारा अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जहरीले रासायनिक खाद एवं दवाइयों की बजाय किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा हैं। किसानों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा सम्मान निधि भी दी जा रही हैं। सरकार का उद्देश्य हैं कि किसानों की आय बढ़े और वे आर्थिक रूप से मजबूत हों।

30 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में 31 करोड़ रुपये लागत के 30 कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। इसमें 14 करोड़ रुपये के 21 कार्यों का लोकार्पण एवं लगभग 17 करोड़ रुपये लागत के 09 कार्यों का भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तराना को शाजापुर से जोड़ने के लिए नई सड़क बनेगी वही अब आगर रोड़ से तराना सीधे जुड़ेगा। प्रदेश मे अब अधिकतर सड़कें फोरलेन ही बन रही है। उन्होंने कहा कि कायथा में महाविद्यालय का भूमि-पूजन किया गया है, जिससे अब कायथा के विद्यार्थियों को महाविद्यालय की सुविधा मिलेगी। उन्होंने तराना में आईटीआई के लोकार्पण पर बधाई भी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि कनासिया-बरडंवा क्षेत्र में लगभग 08 हजार करोड़ रुपये लागत का कारखाना स्थापित हो रहा है, जिससे क्षेत्र के लगभग दो से तीन हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भावांतर भुगतान योजना की जानकारी देते हुए बताया कि सोयाबीन का केन्द्र सरकार द्वारा 5328 रुपये मूल्य घोषित किया गया है। मंडी मे पंजीकृत किसानो द्वारा सोयाबीन विक्रय करने पर उन्हें मंडी मूल्य एवं घोषित मूल्य के अंतर की राशि राज्य सरकार द्वारा दी जायेगी।

सांसद श्री अनिल फिरोजिया एवं आगर-मालवा विधायक श्री माधव (मधु) गहलोत ने भी सबोधित किया। कार्यक्रम में प्रदेश के कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालुहेडा, श्री सतीश मालवीय, श्री तेज बहादुर सिंह, डॉ. जितेंद्र पण्डया, शाजापुर विधायक श्री अरूण भीमावद, श्री राजेश धाकड़, श्री राजपाल सिसोदिया, श्री जयसिंह उमठ सहित जनप्रतिनिधि गण एवं गणमान्य नागरीक बडी सख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना के आवेदन 31 अक्टूबर तक आमंत्रित

इन्दौर। दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिये मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। इसमें मध्यप्रदेश के मूलनिवासी दिव्यांगजन, जिनमें अस्थिबाधित द्वारा गत परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक तथा अन्य श्रेणी में 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है उनसे वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये है। विद्यार्थी अपना आवेदन 31 अक्टूबर तक स्पर्श पोर्टल पर ऑनलाइन जमा कर सकते है। आवेदन पत्रों की जांच 15 नवम्बर तक होगी और अंतिम सूची का प्रकाशन 30 नवम्बर तक किया जाएगा। स्वीकृत आवेदन पत्रों में पात्रतानुसार छात्रों को लैपटॉप अथवा मोट्रेट ट्राइसाइकल , विश्व दिव्यांग दिवस 3 दिसम्बर 2025 को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वितरित की जायेगी। आयुक्त सामाजिक न्याय ने बताया की स्पर्श पोर्टल ओपन कर दिया गया है। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने जिले से अधिक से अधिक पात्र दिव्यांग छात्र/छात्राओं को योजना हेतु आवेदन करने के लिये प्रोत्साहित करें एवं जिला अधिकारी आवेदनों का परीक्षण कर नियमानुसार निराकरण करना सुनिश्चित करें।

पार्श्व कल्पतरु धाम... उत्तराध्ययन सूत्र का वचन दो दिन ओर, चढ़ेगा निर्वाण लाडू

इंदौर। जीवन में कोई भी कार्य करो तो इसके लिए गुरु, माता , पिता ओर बड़ी आज्ञा लेना जरूरी, ऐसा करने से सफलता का पहला पायदान पर कर जाओगे, कार्य करने की इच्छा को गुरु के सामने प्रदर्शित करना चाहिए। पानी में उतरना है इसके बाद ही तैरना सीख जा सकता है बगैर पानी में उतरे तैरना नहीं सीख सकते।

यह विचार पश्चिम क्षेत्र हाइलिंक सिटी स्थित पार्श्व कल्पतरु धाम पर उत्तराध्ययन सूत्र श्रवण कराते हुए मात्रहृदया परम पूज्य अमित गुणा श्री जी महाराज सा ने व्यक्त किए। श्री धरणीधर पार्श्वनाथ श्री संघ एवं ट्रस्ट अध्यक्ष पुंडरीक पालरेचा ने बताया कि भगवान महावीर ने निवार्ण से 48 घंटे जो संदेश दिया था उसे उत्तराध्ययन सूत्र कहते हैं इसका इसका श्रवण पूज्य महाराज सा एवं पूज्य साध्वी जी श्री संघ के द्वारा अमित आराधना भवन पर कराया जा रहा है जिसमें बड़ी संख्या में श्वेतांबर जैन समाजजन सुबह 7 से 8 बजे तक मौजूद हो रहे हैं इस अवसर पर निर्माण लाडू चढ़ाया जाएगा वहीं 22 अक्टूबर को गौतम रास का आयोजन किया गया है, इस अवसर पर जैन पंचांग का विमोचन भी किया गया । रविवार को शांतू पालरेचा, दिलीप खिमेशरा, मुकेश चोपड़ा, अभय चोपड़ा आदि शामिल हुए पूज्य महाराज साहब ने कहा कि मनभेद विकास का द्वार है तो मतभेद विनाश की ओर ले जाता है। जीवन में मतभेद से दूर हो जाए।

स्वाभिमान को ठेस नहीं पहुंचे इसका ध्यान रखे- पूज्य अमित गुणा श्री जी महाराज साहब ने कहा कि कोई भी व्यक्ति आपके यहां काम करता है नौकरी करता है तो ध्यान रखें उसके स्वाभिमान को ठेस नहीं लगना चाहिए कार्य से पहले आपको सदाचरण का पालन कर कार्य करने वाले व्यक्ति से पूछना चाहिए कि क्या आप यह कार्य कर पाएंगे अगर वह नहीं बोलेगा तो भी ठीक और अगर वह हां बोलेगा तो वह आपका कार्य ज्यादा अच्छे तरीके से कर पाएगा क्योंकि आपने उसे कार्य से पहले अच्छे व्यवहार करते हुए पूछ लिया था। कोई भी आपका काम करता है तो उसे सहयोग माने , उसे हीन भावना से ना देखें क्योंकि व्यक्ति की मेहनत का मेहनताना आप दे रहे हैं उसके स्वाभिमान को ठेस नहीं पहुंचे ऐसा ध्यान रखेंगे तो जीवन में हर आदमी आपका सहयोगी बनता जाएगा।

प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक विरासत को सुरक्षित रखते हुए होगा चित्रकूट का विकास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि चित्रकूट के प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक विरासत को सुरक्षित रखते हुए इसका विकास किया जाएगा। चित्रकूट में बड़े निर्माण कार्यों की आवश्यकता नहीं है। मंदाकिनी नदी स्वच्छ और सदानीरा बनी रहे, भगवान कामतानाथ के सुगमता से दर्शन हो सके और भक्तों को सरलता से भोजन प्रसाद मिल सके ऐसे निर्माण कार्य किए जाएंगे। चित्रकूट का विकास प्रबुद्धजन, संतों और आमजन के सुझाव के आधार पर होगा। भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट को धार्मिक पर्यटन और ग्रामीण पर्यटन का केंद्र बनायेंगे। चित्रकूट में सड़क चौड़ीकरण, परिक्रमा पथ के सौदर्यीकरण और धार्मिक स्थलों के विकास के कार्य तेजी से पूरे किये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को चित्रकूट में आरोग्यम में प्रबुद्धजन से चित्रकूट के विकास पर चर्चा के दौरान यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व.प्रकाशचंद्र सेठी की जयंती पर किया नमन

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रकाशचंद्र सेठी की जयंती पर विधानसभा पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र तोमर द्वारा प्रदेश के पूर्व राज्यपाल, पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व विधानसभा अध्यक्षों को स्मरण करने की परम्परा आरंभ की गई है। मध्यप्रदेश विधानसभा में आरंभ हुई यह पहल सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री श्री सेठी का स्मरण करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। राजस्थान के झालावाड़ में जन्में श्री सेठी के राजनैतिक जीवन की शुरुआत उज्जैन से हुई, वे उज्जैन के सांसद भी रहे, इस नाते उनसे सदा विशेष संबंध की अनुभूति होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री सेठी का स्मरण करते हुए कहा कि श्री सेठी ने समर्पित राजनीतिक जीवन और राष्ट्रसेवा के माध्यम से देश और प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपने कार्यकाल में उन्होंने औद्योगिक विकास, प्रशासनिक सुधार और सामाजिक कल्याण की योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया। प्रदेश की राजनीति के अलावा उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई। वे केन्द्र सरकार में गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, इस्पात खान एवं धातु मंत्रालय के स्वतंत्र प्रभारी मंत्री और वित्त मंत्रालय में राजस्व एवं व्यय मंत्री रहे। वे आज भी उनकी मध्यप्रदेश और भारतीय राजनीति के कुशल, विनम्र और समर्पित नेताओं में गिने जाते हैं।

मोहासा-बाबई प्रोजेक्ट आत्मनिर्भर और मेक इन इंडिया के विजन को करेगा साकार

39,210 करोड़ रूपये होगा निवेश और 14,777 रोजगार होंगे सृजित

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प से मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीति अब केवल कागजों तक सीमित नहीं रही है बल्कि प्रदेश की धरती पर औद्योगिक परिवर्तन की मजबूत नींव बन चुकी है। नर्मदापुरम जिले का मोहासा-बाबई इस दृष्टि का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जहां राज्य शासन ने विद्युत एवं नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के विनिर्माण के लिए ऐसा औद्योगिक ढांचा विकसित किया है जो आने वाले वर्षों में भारत के ग्रीन इंडस्ट्रियल ट्रांजिशन की दिशा तय करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का फोकस इस बात पर भी है कि प्रदेश में स्थापित हर औद्योगिक परियोजना केवल निवेश तक सीमित न रहे, बल्कि वह तकनीकी आत्मनिर्भरता, रोजगार सृजन और हरित विकास की भावना को आगे बढ़ाए। यही सोच मोहासा-बाबई प्रोजेक्ट को एक साधारण औद्योगिक विस्तार से आगे बढ़ाकर भविष्य की औद्योगिक क्रांति का आधार बना रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक विकास केवल निवेश का प्रतीक नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बन रहा है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि उद्योग केवल शहरों तक सीमित न रहें, बल्कि जिले और विकासखंड स्तर तक औद्योगिक ढांचे का विस्तार हो, जिससे प्रदेश के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार और उद्यम के अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री का यह विजन उद्योगों को स्थानीय संसाधनों, कौशल विकास और पर्यावरणीय संतुलन के साथ जोड़कर विकास के विकेन्द्रीकरण का नया मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। राज्य शासन द्वारा नर्मदापुरम जिले के मोहासा-बाबई औद्योगिक क्षेत्र को ग्रीन फील्ड मैन्युफैक्चरिंग जोन फॉर पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट के रूप में विकसित किया गया है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

हमारी सनातन संस्कृति हमें प्रकृति से सदैव जुडे रहना सिखाती है

सही अर्थों में हम सब के लिए दिपावली तभी सार्थक है जब हमारे किसान और हमारा गौ वंश उन्नत रहे

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को तिलकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर वहां स्थित गौशाला में गोवर्धन पूजा की। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही गौमाता की पूजा भी की और यहां आयोजित किए गए विशाल गौ अन्नकूट में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि गौ सेवा और प्रकृति के सम्मान में हर घर गौशाला और हर गांव में गोवर्धन पूजा आज पूरे प्रदेश में की जा रही है। हमारी सनातन संस्कृति हमें प्रकृति से सदैव जुडे रहना सिखाती है। गौमाता अपने बछड़े के साथ हम सभी का भी ध्यान रखती है। भगवान श्री कृष्ण गोपाल कृष्ण के नाम से भी जाने जाते हैं। वर्तमान में शासन और आम जन साथ मिलकर सभी त्यौहार आनंद और हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। दिपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की जाती है। हमारा देश किसानों और गौ-पालकों का देश है। सही अर्थों में हम सब के

लिए दिपावली तभी सार्थक है जब हमारे किसान और हमारा गौ वंश उन्नत रहे, तभी समृध्दि आती है। गौशालाओं में प्रत्येक गौमाता की सेवा के लिए अनुदान राशि 40 रुपए बढ़ाई जाएगी।

जो लोग दुग्ध उत्पादन करना चाहते हैं, उन्हें भी शासन की और से अनुदान राशि दी जाएगी। हम हर घर गोपाल बनाने का कार्य करेंगे। मध्यप्रदेश शासन द्वारा सिंचाई के रकबे को बढ़ाने के लिए नदी जोडो अभियान प्रारंभ किया गया है। सूर्य घर योजना के अंतर्गत किसानों को सौर पंप लगाने पर 90 प्रतिशत तक अनुदान राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासन द्वारा सोयाबीन के लिए भावांतर भुगतान योजना प्रारंभ की गई है। यह किसानों और व्यापारियों के बीच में सेतु का कार्य करेगी। अनाज मंडीयों का मान व्यापारियों से बढ़ेगा और किसानों का सम्मान भी बढ़ेगा।

शासन द्वारा किसानों और मंडी व्यापारियों दोनों के हित के लिए कार्य किए जाएंगे। अलग-अलग फसलों के उत्पादन के साथ-साथ प्रोसेसींग यूनिट के लिए भी अनुदान राशि दी जाएगी। फुड प्रोसेसींग में किसान और उपज मंडी के व्यापारी आपसी सहयोग के साथ कार्य करें। मालवा क्षेत्र में फुड पार्क बनाया जाएगा। जिससे किसान अपनी उपज को अच्छे दामों में बेच सकेंगे और व्यापारी भी निश्चिंत होकर व्यापार कर सकेंगे। वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार द्वारा निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी ओर से सभी को गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किये मुनिश्री प्रणुत सागर महाराज के दर्शन

मुख्यमंत्री ने मुनिश्री से मिलकर की धर्म, समाज और राष्ट्र हित से जुड़े विषयों पर चर्चा

उज्जैन। दीपावली के पावन अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लक्ष्मी नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में पधारे। उन्होंने परम प्रभावक संत, मुनि श्री 108 प्रणुत सागरजी महाराज के पावन चरणों में नमन कर शुभाशीर्वाद प्राप्त किए।

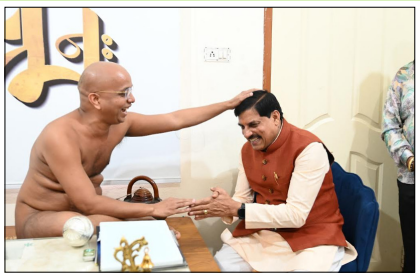

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुनिश्री से मिलकर धर्म, समाज और राष्ट्र हित से जुड़े विषयों पर विनम्रतापूर्वक चर्चा की तथा दीपावली पर्व की मंगलकामनाएँ भी व्यक्त कीं। दिगंबर जैन समाज की ओर से मुख्यमंत्री का स्वागत शैलेंद्र जैन नोहर कला, अशोक जैन मुन्ना सरकार, अश्विन कासलीवाल और अभिषेक विनायका द्वारा किया गया। गौरव लुहाड़िया के अनुसार इस दौरान मंदिर प्रांगण में समाजजनों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मुनि श्री ने मुख्यमंत्री को धर्ममय जीवन, सदविचारों और लोककल्याणकारी कार्यों के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने मुनिश्री के तप, त्याग और राष्ट्रहित में उनके अमूल्य मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संत समाज के लिए प्रकाश स्तंभ समान हैं। मुख्यमंत्री के साथ पधारे उज्जैन उत्तर के विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा एवं भाजपा जिला अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने भी दीपावली के इस पावन दिन पर मुनि श्री के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त किया।

दीपावली पर अर्धनग्न हुए पथ विक्रेता, बोले परेशान करना बंद करो

उज्जैन। दीपावली पर जहां पूरी महाकाल की नगरी जगमगा रही थी वहीं महाकाल क्षेत्र के रोजगार से वंचित पथ विक्रेता अर्धनग्न होकर धरना प्रदर्शन कर रहे थे। बिना तेल के दिये लगाकर बैठे पथ विक्रेताओं ने रोजगार की मांग के साथ पथ विक्रेता कल्याण बोर्ड के गठन की मांग, 2014 कानून लागू करने की मांग की। महाकाल की तस्वीर हाथों में लिये पथ विक्रेताओं ने शासन प्रशासन से मांग की कि हमें परेशान करना बंद करो।

नेशनल हॉकर फेडरेशन (म.प्र.) महासचिव संजय चौहान ने बताया कि पथ विक्रेताओं को बिना सूचना के हटाये जाने, बिना टीवीसी सिफारीश पत्र के पथ विक्रेताओं को हटाने की अवैधानिक कार्यवाही करने वालो पर कार्यवाही कर रोजगार चालु करवाये जाने की मांग को लेकर दीपावली पर भी पथ विक्रेताओं ने अर्धनग्न होकर धरना प्रदर्शन किया। कानुन 2014 लागू करने, वैकल्पिक स्थान न दिये गये पथ विक्रेताओं का रोजगार चालु करने जैसी मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन किया जा रहा है। हाथ ठेला एवं फुटपाथ व्यापारी संघ, उज्जैन नेशनल हॉकर फेडरेशन, भारतीय मजदूर संघ द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया था। जिसमें मांग की गई कि 26 जुन 2023 के पत्र पालन किया जावे। पथ विक्रेताओं को स्वंत्रता से रोजगार करने की अनुमति दी जावे। टी.वी सी कमेटी का अतिशीघ्र चुनाव करवाया जावे। कानून 2014 का हनन करने वाले कर्मचारी अधिकारीयों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये।

सेवा का अनूठा अंदाज़, दीपावली पर बिन बैनर, बिन प्रचार के बिखेरी खुशियां

उज्जैन। फ्रीगंज उज्जैन में सेवा का अनूठा अंदाज तब देखने को मिला जब दीपावली की सुबह एक व्यक्ति ने बिना किसी दिखावे, बिना बैनर, पोस्टर के निःस्वार्थ भाव से छोटी दुकानों पर बैठे फुटकर विक्रेताओं के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी।

घंटाघर से लेकर शहीद पार्क तक सड़क किनारे दीपावली का बाजार सजा था। चारों ओर चहल-पहल, रोशनी और रौनक थी। इसी बीच एक सज्जन हाथ जोड़कर सभी को ÷दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं÷ देते हुए प्रत्येक फुटकर विक्रेता को 50-50 के नए नोट भेंट करते चले गए।

कुछ फुटकर विक्रेताओं ने उन्हें पहचान लिया और बताया गत वर्ष भी उन्होंने इसी प्रकार बिना प्रचार के गरीब विक्रेताओं को सहयोग राशि वितरित की थी। इस बार भी वही परंपरा दोहराई, ना कोई मंच, ना परिचय, ना प्रदर्शन, केवल सेवा का मूक लेकिन प्रेरणादायी संदेश। वे अरविंद जैन थे जो बीमा कंपनी के सेवा-निवृत्त अधिकारी हैं। अरविंद जैन ने बताया कि यह पहल उन्होंने स्वप्रेरणा से की है, ÷इन मेहनतकश विक्रेताओं के हाथों में नए नोट देखकर जो मुस्कान खिलती है, वही मेरी सच्ची दिवाली है। मन को जो सुकून मिलता है, वही सबसे बड़ी पूंजी है।÷ कमजोर वर्ग के परिवारों को खुशियां बाटी, उनके बच्चे भी दीपावली खुशी से मनाएंगे।

दीपों के इस पर्व पर अरविंद जैन और उनके साथियों ने सचमुच यह सिद्ध कर दिया कि सेवा के लिए न तो मंच की आवश्यकता होती है, न तालियों की, बस एक संवेदनशील हृदय की जरूरत होती है। उनके साथ उनके मित्र डॉ अजय गुप्ता, डॉ अजीत जैन, दीपक शर्मा, अनिल राठौड़, संजय शाह, संजय जैन 'बबली' और विनोद लुल्ला भी थे।

सर्वसहाय वेलफेयर फाउंडेशन ने मनाई हमारी दिवाली, सबकी दिवाली

उज्जैन। सर्वसहाय वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा हमारी दिवाली-सबकी दिवाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संस्था अध्यक्ष सुनील बारोड ने बताया कि शहर की सेवा बस्तियों में जाकर जरूरतमंद एवं असहाय बच्चों के साथ दीपावली का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। अतिथियों द्वारा बच्चों को सनातन संस्कृति के बारे बताया गया व बच्चो को हमारे धर्मग्रंथो के बारे मे जानकारी के लिए प्रतियोगिता भी रखी गई। सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पटाखे, फल, मिठाई एवं वस्त्र वितरित किए गए। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और उत्साह देख सभी स्वयंसेवक भावुक हो उठे। संस्था का उद्देश्य समाज के उन वर्गों तक खुशी पहुँचाना है जो आर्थिक अभाव के कारण त्योहारों की खुशियों से वंचित रह जाते हैं। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया

कि ÷हमारी दिवाली, सबकी दिवाली÷ अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि समाज के हर वर्ग को समान रूप से त्योहारों की खुशी मिल सके। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हनुमानजी मंदिर के पुजारी लाइटमैन बाबा, उज्जैन सेवा भारती के अध्यक्ष डॉ सुनील खत्री, पूर्व निगम सभापति सोनू गेहलोत, आनन्द दसोरा, सतीश सामदानी, शुभम शर्मा, इजी. तेजप्रकाश, अरुण व्यास, आशुतोष कुमारिया, कुशल जाधव, संजय चौहान, माधव परमार, पवन बारोड, आनन्द चौहान, पुष्पेंद्र बारोड, सचिव प्रीति जोशी, एकता गायकवाड, चंद्रभूषण बारोड आदि सदस्य, समाजसेवी एवं स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और एकता, प्रेम व सहयोग का संदेश दिया।

दीपावली पर शहर की शहीद प्रतिमाएँ हुई रोशन

उज्जैन। शहर की साहित्यिक संस्था सरल काव्यांजलि ने प्रति वर्ष की तरह इस दीपावली पर्व पर भी शहर में स्थित स्वाधीनता सेनानियों, शहीद प्रतिमा स्थलों पर दीपक जलाए। मुख्य आयोजन विद्यानगर के आजाद उद्यान में हुआ, जहाँ अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा स्थल को दीपों से रोशन किया गया। जानकारी देते हुए संस्था संरक्षक डॉक्टर पुष्पा चौरसिया ने बताया कि इस अवसर पर प्रदीप सरल, सन्तोष सुपेकर, डॉ. संजय नागर, नितिन पोळ, डॉ. नेत्रा रावणकर, राजेन्द्र देवधरे दर्पण, संजय जौहरी, गोपालकृष्ण निगम, वी.एस. गहलोत साकित, मानसिंह शरद, अशोक रावणकर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शिव चौरसिया, सुगनचंद्र जैन, मालवी कवि डॉ. विक्रम विवेक, क्षेत्रीय पार्षद गब्बर कुवाल, श्रीमती सुमन नागर, तरुण उपाध्याय, मुकेश जोशी आदि।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com